DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

23 September, 2024

क्वाड शिखर सम्मेलन 2024

संदर्भ: *हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने अमेरिका द्वारा आयोजित छठे क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया।*

अवलोकन:

- विलमिंगटन, डेलावेयर (अमेरिका) में छठा क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ।
- नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून, विशेषकर यूएनसीएलओएस के पालन पर जोर दिया।

क्वाड क्या है?

- चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (क्वाड) चार लोकतांत्रिक देशों भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान का एक रणनीतिक समूह है।
- क्वाड का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक स्वतंत्र, खुली और नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

क्वाड के उद्देश्य

- **समुद्री सुरक्षा**
- कोविड-19 संकट से निपटना , विशेष रूप से वैक्सीन कूटनीति
- जलवायु परिवर्तन के जोखिमों से निपटना
- क्षेत्र में निवेश और बुनियादी ढांचे के विकास को प्रोत्साहित करना
- तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना

क्वाड का विकास

- इसका गठन आरंभ में हिंद महासागर में आई सुनामी के बाद आपदा राहत प्रयासों के समन्वय के लिए किया गया था।
- 2007 में जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे द्वारा औपचारिक रूप से इसका प्रस्ताव रखा गया, लेकिन चीनी प्रतिरोध और भारत की अनिच्छा के कारण इसे रोक दिया गया।
- 2017 आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान इसे पुनर्जीवित किया गया तथा सितम्बर 2019 में पहली मंत्रिस्तरीय बैठक हुई।
- पहला वर्चुअल क्वाड नेताओं का शिखर सम्मेलन मार्च 2021 में आयोजित किया गया था , इसके बाद सितंबर 2021 में पहली व्यक्तिगत बैठक हुई।

नौसेना अभ्यास

- क्वाड सदस्यों ने नवंबर 2020 में मालाबार अभ्यास में भाग लिया, जो 2007 के बाद पहला संयुक्त सैन्य अभ्यास था।

क्वाड शिखर सम्मेलन 2024 के प्रमुख परिणाम

2024 के क्वाड शिखर सम्मेलन में स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, समुद्री सुरक्षा और प्रौद्योगिकी से जुड़े कई प्रमुख कार्यों की घोषणा की गई:

- **क्वाड कैंसर मूनशॉट** : भारत इंडो-पैसिफिक देशों के लिए एचपीवी सैंपलिंग किट, डिटेक्शन टूल्स और सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन में 7.5 मिलियन डॉलर प्रदान करेगा। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने 40 मिलियन एचपीवी वैक्सीन खुराक की आपूर्ति करने की प्रतिबद्धता जताई है।
- **क्वाड-एट-सी शिप ऑब्जर्वर मिशन (2025)** : इंडो-पैसिफिक में क्वाड कोस्ट गार्ड्स के बीच समुद्री सुरक्षा और अंतरसंचालनीयता को बढ़ाता है।
- **क्वाड इंडो-पैसिफिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क** : एयरलिफ्ट क्षमता साझा करने और सामूहिक आपदा प्रतिक्रिया लॉजिस्टिक्स में सुधार करने के लिए एक पायलट परियोजना।
- **भविष्य की क्वाड बंदरगाह साझेदारी** : टिकाऊ और लचीले बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करना, यह सुनिश्चित करना कि बंदरगाह व्यवधानों के दौरान भी सेवाएं जारी रखें।
- **सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला आकस्मिकता नेटवर्क** : सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं में क्वाड लचीलापन और बाजार विविधता को मजबूत करता है।
- **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार** : क्वाड नेताओं ने स्थायी और अस्थायी दोनों सदस्यता का विस्तार करने सहित अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और कुशल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वकालत की।
- **डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) सिद्धांत** : समान पहुंच और बेहतर सार्वजनिक सेवा वितरण सुनिश्चित करना, विकास, नवाचार और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना।
- **हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए समुद्री पहल (मैत्री)** : क्षेत्रीय साझेदारों की समुद्री निगरानी और कानून प्रवर्तन को मजबूत करने के लिए, भारत 2025 में पहली मैत्री कार्यशाला की मेजबानी करेगा।

अन्य घोषणाएं

- ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना और किफायती शीतलन प्रणालियों का निर्माण करना।
- भारत ने जलवायु निगरानी के लिए मॉरीशस के लिए एक अंतरिक्ष-आधारित वेब पोर्टल स्थापित किया।
- हिंद-प्रशांत क्षेत्र के छात्रों के लिए एक नई क्वाड एसटीईएम फेलोशिप देना।
- 2025 क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत द्वारा की जाएगी।

इंडो-पैसिफिक आर्थिक ढांचा (आईपीईएफ)

संदर्भ: *हाल ही में भारत ने स्वच्छ और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था (clean and fair economy) को बढ़ावा देने के लिए आईपीईएफ के तहत समझौतों पर हस्ताक्षर किए।*

अवलोकन:

- क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री की तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा के दौरान इन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।
- यह व्यापक समझौता एक प्रशासनिक समझौता है, जिसका उद्देश्य एक निगरानी मंत्रिस्तरीय तंत्र की स्थापना करना है।

हिंद-प्रशांत आर्थिक ढांचे के बारे में

- **लॉन्च की तिथि:** 23 मई 2022
- **स्थान:** टोक्यो, जापान
- **सदस्य:** भारत, ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, अमेरिका और वियतनाम सहित 14 देश।
- **आर्थिक प्रभाव:** वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 40% और वैश्विक वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार का 28% प्रतिनिधित्व करता है।

मुख्य स्तंभ

- **व्यापार (स्तंभ I):**
  - इसका उद्देश्य क्षेत्र में आर्थिक विकास, शांति और समृद्धि को बढ़ावा देना है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- **आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन (स्तंभ II):**
  - आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला और एकीकृत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
  - यह महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स, कनेक्टिविटी और निवेश को बढ़ाता है।
  - इनमें कार्यबल के कौशल उन्नयन और पुनर्कौशलीकरण पर जोर दिया गया।
- **स्वच्छ अर्थव्यवस्था (स्तंभ III):**
  - स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियों पर सहयोग को आगे बढ़ाना।
  - यह जलवायु-संबंधी परियोजनाओं में अनुसंधान, विकास और निवेश को प्रोत्साहित करता है।
- **निष्पक्ष अर्थव्यवस्था (स्तंभ IV):**
  - भ्रष्टाचार विरोधी और कर उपायों को लागू करना।
  - भ्रष्टाचार से निपटने और विधायी ढांचे में सुधार के लिए भारत की पहल का समर्थन करता है।

➢ **भारत की भागीदारी**

- भारत स्तंभ II, III और IV में सक्रिय रूप से भाग लेता है, जबकि स्तंभ I में उसे पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है।

महत्वपूर्ण समझौते:

स्वच्छ अर्थव्यवस्था समझौता

➢ **उद्देश्य:**

- ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु लचीलापन और जी.एच.जी. उत्सर्जन में कमी लाना।
- विशेष रूप से छोटे व्यवसायों के लिए निवेश और परियोजना वित्तपोषण की सुविधा प्रदान करना।
- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारतीय कंपनियों के एकीकरण को बढ़ावा देना।

➢ **प्रमुख विशेषताएं:**

- तकनीकी सहयोग, कार्यबल विकास और अनुसंधान सहयोग को प्रोत्साहित करना।
- स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु-अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और क्रियान्वयन का समर्थन करना।

➢ **निष्पक्ष अर्थव्यवस्था समझौता**

- **लक्ष्य:**
  - पारदर्शी एवं पूर्वानुमानित कारोबारी माहौल स्थापित करना।
  - निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों को बढ़ाना।
- **पहल:**
  - भारत आईपीईएफ भागीदारों के लिए डिजिटल फोरेंसिक और सिस्टम-संचालित जोखिम विश्लेषण पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा।

➢ **वर्तमान परिवर्तन:**

- **सहकारी कार्य कार्यक्रम (सीडब्ल्यूपी):**
  - इलेक्ट्रॉनिक कचरे (ई-कचरे) से मूल्यवान संसाधनों की वसूली पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भारत द्वारा शुरू किया गया।
- **आईपीईएफ कैटेलिटिक कैपिटल फंड:**
  - यह उभरती और उच्च-मध्यम आय अर्थव्यवस्थाओं में स्वच्छ अर्थव्यवस्था बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समर्थन करता है।
  - ऑस्ट्रेलिया, जापान, कोरिया और अमेरिका से 33 मिलियन अमेरिकी डॉलर के प्रारंभिक वित्तपोषण का उद्देश्य 3.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निजी निवेश बढ़ाना है।

➢ **आईपीईएफ अपस्किलिंग पहल**

- **केंद्र:**
  - यह मुख्य रूप से आईपीईएफ साझेदार देशों में महिलाओं और लड़कियों को डिजिटल कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- **प्रभाव:**
  - पिछले दो वर्षों में इस पहल से 10.9 मिलियन कौशल उन्नयन अवसर सृजित हुए हैं, जिनमें से 4 मिलियन अवसर भारत में हैं।

भारत में खाद्य तेल

***संदर्भ**: हाल ही में, भारत ने आयातित कच्चे खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क बढ़ा दिया है।*

➢ **अवलोकन:**

- भारत ने आयातित कच्चे पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी तेलों पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) को शून्य से बढ़ाकर 20 प्रतिशत और रिफाइंड तेलों पर 12.5% से बढ़ाकर 32.5% करके अपने तिलहन किसानों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

➢ **खाद्य तेल क्या हैं?**

- खाद्य तेल मुख्य रूप से वनस्पति तेल होते हैं जिन्हें उदासीनीकरण, विरंजन और दुर्गन्धीकरण जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से परिष्कृत किया जाता है।
- **स्वास्थ्य लाभ** : उच्च असंतृप्त वसा अम्ल सामग्री के कारण पशु वसा की तुलना में अधिक स्वस्थ माना जाता है।

➢ **भारत में खाद्य तेल की स्थिति:**

- भारत संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, और ब्राजील के बाद दुनिया में चौथा सबसे बड़ा खाद्य तेल उत्पादक है।
- वैश्विक तिलहन उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी लगभग 10% है तथा विश्व के वनस्पति तेल उत्पादन में इसका योगदान 6-7% है।

- वर्ष 2022-23 में भारत ने नौ कृषि तिलहनों का अनुमानित 41.35 मिलियन टन उत्पादन किया।
- भारत दुनिया में खाद्य तेल का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, जो 2021 में दुनिया के कुल खाद्य तेल का 10% से अधिक खपत करता है।
- भारत दुनिया में खाद्य तेल का सबसे बड़ा आयातक है, जो अपनी कुल खाद्य तेल जरूरतों का लगभग 55-60% आयात करता है। भारत के मुख्य आयातित तेलों में ताड़ का तेल (पाम ऑयल), सोयाबीन तेल और
- सूरजमुखी तेल शामिल हैं।

INDIA'S EDIBLE OIL IMPORTS IN (lakh tonnes)

Oil Year (Nov-Oct)	Palm*	Soyabean	Sunflower	Total**
2017-18	87.01	30.47	25.25	145.17
2018-19	94.09	30.94	23.51	149.13
2019-20	72.17	33.84	25.19	131.75
2020-21	83.21	28.66	18.94	131.32
2021-22	79.15	41.71	19.44	140.3
2022-23	97.89	36.76	30.01	164.66
2022-23 (Nov-Aug)	82.46	31.82	25.46	139.75
2023-24 (Nov-Aug)	76.43	27.15	31.14	134.71

*Includes Crude and Refined oil; **Includes Rapeseed Oil.
Source: The Solvent Extractors' Association of India.

GLOBAL VEGETABLE OIL PRICES (Average $/tonne, CIF Indian ports)

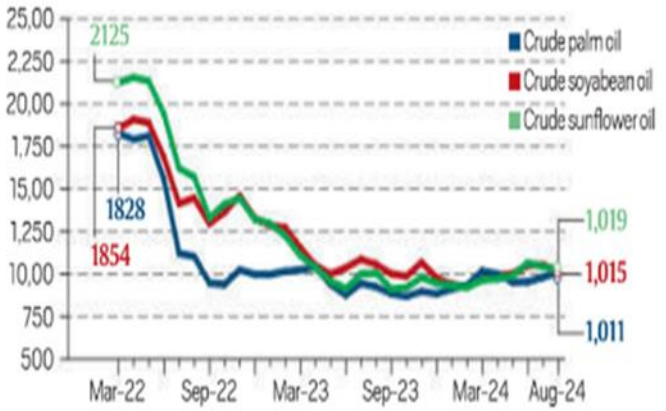

➢ 'आत्मनिर्भरता की दिशा में खाद्य तेलों में वृद्धि को गति देने के मार्ग और रणनीति' पर रिपोर्ट

- नीति आयोग द्वारा जारी
- **उद्देश्य:** भारत के खाद्य तेल क्षेत्र की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं का व्यापक रूप से पता लगाना।

➢ मुख्य बातें

- प्रति व्यक्ति उपभोग बढ़कर 19.7 किग्रा/वर्ष हो गया।
- **मांग बनाम उत्पादन:**
  - घरेलू उत्पादन से केवल 40-45% आवश्यकताएं ही पूरी हो पाती हैं।
  - 2022-23 में भारत ने 16.5 मिलियन टन (एमटी) खाद्य तेलों का आयात किया।
- **चुनौती:** आयात पर भारी निर्भरता आत्मनिर्भरता के लक्ष्यों को कमजोर करती है।

➢ खाद्य तेल आयात:

- खाद्य तेल आयात 2022-23 में रिकॉर्ड 16.5 मिलियन टन तक पहुंच गया, जिसमें पाम तेल सबसे आगे है, इसके बाद सोयाबीन और सूरजमुखी तेल का स्थान है।
- **यूक्रेन युद्ध** के बाद कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण सूरजमुखी तेल का आयात बढ़ गया , जिससे 2023 में सूरजमुखी तेल पाम और सोयाबीन तेलों की तुलना में सस्ता हो गया।

➢ इस चुनौतियों से निपटने के लिए रोडमैप

- **फोकस:** आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए मांग-आपूर्ति के अंतर को कम करना।
- **अनुमान:**
  - सामान्य व्यवसाय (बीएयू) परिदृश्य के तहत, 2030 तक आपूर्ति बढ़कर 16 मीट्रिक टन और 2047 तक 26.7 मीट्रिक टन हो जाने की उम्मीद है।

➢ रणनीतिक हस्तक्षेप

- **फसल प्रतिधारण और विविधीकरण:**
  - विभिन्न प्रकार के तिलहनों की खेती को प्रोत्साहित करना।
- **क्षैतिज विस्तार:**
  - विशिष्ट तिलहनों की खेती के अंतर्गत क्षेत्रफल में वृद्धि करना।
- **ऊर्ध्वाधर विस्तार:**
  - उपज में वृद्धि करना:
  - उन्नत कृषि पद्धतियाँ.
  - बेहतर गुणवत्ता वाले बीज.
  - उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियाँ.
- **गतिशील व्यापार नीति:**
  - सतत विकास के लिए संतुलित व्यापार नीति विकसित करना।
- **राष्ट्रीय मिशन का विस्तार:**
  - इन रणनीतियों को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन का दायरा बढ़ाया जाएगा।
- **आयात शुल्क में वृद्धि** :
  - **कच्चे तेल** : प्रभावी आयात शुल्क 5.5% से बढ़ाकर 27.5% किया गया , जो 2021 के बाद सबसे अधिक है।
  - **रिफाइंड तेल** : इसपर शुल्क 13.75% से बढ़ाकर 35.75% किया गया।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

23 September, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

चकमा समुदाय

हाल ही में, बांग्लादेश में, मूल निवासी चकमा और बंगाली निवासियों के बीच जातीय संघर्ष ने चटगाँव हिल ट्रैक्ट जिलों में तनाव को बढ़ा दिया है।

चकमा समुदाय के बारे में:

- बांग्लादेश के चटगाँव हिल ट्रैक्ट के मूल निवासी एक जातीय समूह चकमा मूल रूप से म्यांमार के अराकान हिल से आए थे।
- भारत में, वे मिज़ोरम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में रहते हैं, जिनमें से लगभग 80,000 मिज़ोरम में हैं।
- उनकी अपनी भाषा, लिपि और संस्कृति है।
- वे थेरवाद बौद्ध धर्म का पालन करते हैं, लेकिन हिंदू धर्म और जीववाद के पहलुओं को भी शामिल करते हैं।
- उनके हर गाँव में बौद्ध मंदिर हैं, और उनके भिक्षुओं को भिक्षु कहा जाता है।
- वे हिंदू देवताओं की पूजा करते हैं, जैसे कि लक्ष्मी, जिन्हें फसल की देवी के रूप में पूजा जाता है।
- चकमा झूम खेती करते हैं जिसे जुम कहा जाता है, जिसमें धान, मक्का, कपास और तिल जैसी फसलें उगाई जाती हैं।
- नागरिकता अधिनियम 1955 में कहा गया है कि 1 जुलाई 1987 से पहले पैदा हुए चकमा या उस तिथि से पहले पैदा हुए लोगों के वंशज जन्म से ही नागरिक हैं।

विश्व राइनो दिवस

हाल ही में, असम के मुख्यमंत्री ने विश्व राइनो दिवस समारोह के दौरान 2016 से काजीरंगा और अन्य संरक्षित आवासों में एक सींग वाले गैंडों के अवैध शिकार में 86% की कमी की घोषणा की।

विश्व राइनो दिवस के बारे में:

- विश्व राइनो दिवस 22 सितंबर को मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है जो गैंडों और उनके आवासों की रक्षा करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।
- यह गैंडों के सामने आने वाले खतरों, जैसे अवैध शिकार और आवास की हानि, के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनके संरक्षण के महत्व पर जोर देने का दिन है।
- विश्व वन्यजीव कोष दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार 2010 में विश्व राइनो दिवस की घोषणा की थी।
- पाँच राइनो प्रजातियाँ अफ्रीका में सफ़ेद (निकट संकटग्रस्त) और काली (गंभीर रूप से लुप्तप्राय) हैं, और एशिया में बड़ी एक सींग वाली (कमज़ोर), जावन (गंभीर रूप से लुप्तप्राय) और सुमात्रा (गंभीर रूप से लुप्तप्राय) हैं।
- जलवायु परिवर्तन भी गैंडों के लिए एक खतरा है, जिससे अफ्रीका में सूखा पड़ता है और एशिया में वर्षा और मानसून की अवधि बढ़ जाती है।
- प्रोजेक्ट राइनो भारत में अवैध शिकार से निपटने और गैंडों की आबादी को संरक्षित करने के लिए एक पहल है।
- यह प्रजाति IUCN रेड लिस्ट में कमज़ोर के रूप में सूचीबद्ध है, CITES परिशिष्ट I में शामिल है, और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची I के तहत संरक्षित है।

तितली प्रभाव

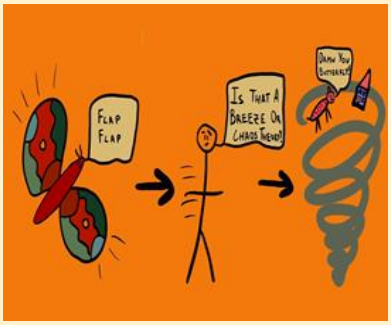

तितली प्रभाव के बारे में:

- तितली प्रभाव एक अवधारणा है जो बताती है कि किसी प्रणाली में एक छोटा सा बदलाव कैसे परिणाम पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है।
- यह अराजकता सिद्धांत पर आधारित है और अक्सर मौसम से जुड़ा होता है।
- तितली के पंख फड़फड़ाने से सैद्धांतिक रूप से प्रारंभिक स्थितियों पर संवेदनशील निर्भरता के कारण कहीं और बवंडर आ सकता है।
- इस अवधारणा को एडवर्ड लोरेंज ने लोकप्रिय बनाया, जो एक अमेरिकी गणितज्ञ थे, जिन्होंने मौसम पूर्वानुमान मॉडल पर काम करते हुए इसे विकसित किया था।
- लोरेंज पहले के गणितज्ञों हेनरी पोंकारे और नॉर्बर्ट वीनर से प्रेरित थे, जिन्होंने पृथ्वी के वायुमंडल की अस्थिरता का अध्ययन किया था।
- लोरेंज ने ऐसे मॉडल बनाने के लिए कंप्यूटर का उपयोग किया जो नियतात्मक अराजकता को दर्शाते हैं, यह दिखाते हुए कि इनपुट में मामूली बदलाव भी पूर्वानुमानों को काफी हद तक बदल सकते हैं।
- 1961 में अपने एक प्रयोग में, लोरेंज ने पाया कि इनपुट मान को 0.506127 से 0.506 में बदलने से मौसम की भविष्यवाणियों में काफी अंतर आया।
- तितली प्रभाव को मौसम विज्ञान, अर्थशास्त्र और जीव विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में देखा गया है, जो जटिल प्रणालियों में निहित अप्रत्याशितता पर जोर देता है।
- नागासाकी पर बमबारी तितली प्रभाव का एक उदाहरण है, जहाँ लक्षित लक्ष्य पर बादल छाने के कारण दूसरे शहर पर बमबारी की गई।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

मदीरा नदी

हाल ही में, ब्राज़ील की मदीरा नदी पर रेत के टीले उभर आए हैं, क्योंकि देश के सबसे खराब सूखे और चल रही आग के बीच हज़ार से ज़्यादा इलाके अलर्ट पर हैं।

मदीरा नदी के बारे में:

- मदीरा नदी दक्षिण अमेरिका में अमेज़न नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है।
- यह बोलीविया और ब्राज़ील के बीच बहती है, और बोलीविया में मामोरे और बेनी नदियों के संगम से बनती है।
- नदी का मूल नाम कुयारी नदी था, लेकिन पुर्तगालियों ने इसका नाम बदलकर मदीरा रख दिया, जिसका अर्थ है "लकड़ी की नदी"।
- यह नदी मदीरा बेसिन का हिस्सा है, जो बोलीविया, ब्राज़ील और पेरू में फैले अमेज़न बेसिन के लगभग 19% हिस्से को कवर करती है।
- मदीरा नदी पर बने हाइड्रोइलेक्ट्रिक बांध नदी के प्राकृतिक प्रवाह को बदलकर सूखे की स्थिति में योगदान करते हैं।

POINTS TO PONDER

- 2024 में भविष्य के लिए शिखर सम्मेलन कहाँ आयोजित किया गया था? – **न्यूयॉर्क**
- मनुष्यों में टाइफाइड बुखार का प्राथमिक कारण क्या है? – **साल्मोनेला टाइफी बैक्टीरिया**
- शुक्र के अर्ध-उपग्रह का नाम क्या है? – **ज़ूज़वे**
- "श्वेत क्रांति के जनक" के रूप में किसे जाना जाता है? – **वर्गीस कुरियन**
- पीएम मित्र पार्क योजना का उद्देश्य क्या है? – **कपड़ा**